जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्य क कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

12 सितंबर 2020

कोविड-19 से पैदा हालात में युवाओं के स्वास्थ्य पर पड़े असर के बारे में जामिया में वेबिनार
कोविड-19 से उत्पन्न हालात से युवा व्यस्कों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर के बारे में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शुक्रवार को एक वेबिनार आयोजित हुआ जिसमें एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के महत्व के बारे में ज़ोर दिया गया जो इस जैसे मुद्दों का हल ढूंढ सके।

सोशल वर्क विभाग के प्रोफेसर और मेंटल हेल्थ एंड काउंसलिंग कमेटी (एमएचसीसी) के चेयरमैन एसएम साजिद ने इस विषय का परिचय देते हुए कहा कि दुनिया भर में फैली इस महामारी का युवाओं के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। एक औसत नागरिक का मानसिक स्वास्थ्य अब भय, चिंता, अवसाद से ग्रसित है और भूख न लगना, नींद न आना आदि लक्ष्णों से वह सामने आ रहा है।

इस मौके पर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति, प्रो नजमा अख्तर ने विश्वविद्यालय में छात्रों और अन्य के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का संवेदनशीलता से समाधान करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की ज़रूरत बताई। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में विश्वविद्यालय ने मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श समिति की स्थापना पहले ही कर ली है जो , छात्रों को उनके परिवारों के साथ जोड़ने और परीक्षाओं के बारे में उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करती रहती है। उन्होंने बताया कि कैसे इस ज़रूरी प्रोटोकॉल के ज़रिए छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया गया।

इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज, नई दिल्ली के निदेशक प्रो निमेश देसाई ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न मेंटल हेल्थ के सभी स्वरूपों के बारे में बताया। हालांकि, उन्होंने माना कि देश में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों और सेवाओं की कमी है।

मुंबई में टीआईएसएस के सेंटर फॉर हेल्थ एंड मेंटल हेल्थ की उप निदेशक, प्रो सुरिंदर जसवाल ने बताया कि कैसे इस महामारी में, युवाओं को लेकर हमारे विश्लेषणात्मक अध्ययनों में ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय आबादी का 1/5 युवा हैं और कोविड -19 से हो रहे आर्थिक पतन का उन पर पड़ रहे प्रभाव को कम करने के लिए समाज को तैयार रहने की आवश्यकता है। योजना, सोच और अभिनव रणनीति हमें मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से पैदा सभी चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सकती है।

एमिटी विश्वविद्यालय के मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार, प्रो रजत मित्रा ने अनुभवात्मक नज़रिए से मानसिक स्वास्थ्य के बारे में अपनी बात रखते हुए कहा कि कैसे बहुत बड़ी तादाद में लोग अपने भविष्य के बारे में अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। ऐसे युवाओं के लिए समर्थन प्रणाली विकसित करना ज़रूरी है। इससे पहले प्रो एस एम साजिद ने सभी विशिष्ट वक्ताओं, डीन, एचओडी, निदेशकों, छात्रों और आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया।

सोशल वर्क विभाग की डॉ रश्मि जैन ने वेबिनार की कार्यवाही का संचालन किया। इसी विभाग की प्रो नीलम सुखरामणि प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया।
जेएमआई के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर नावेद इकबाल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। वेबिनार में भारत और विदेशों से बड़ी तादाद में लोगों ने हिस्सा लिया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक